भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.07.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 45 का उत्तर

आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाएं

***45. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:**
श्री पी. वी. मिधुन रेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश में तैंतीस (33) विरासत रेल परियोजनाओं की स्थिति का ब्यौरा क्या है और मई, 2026 तक किए गए कुल व्यय और पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आंध्र प्रदेश के लिए 9,470 करोड़ रुपए के रेलवे आवंटन के अंतर्गत सम्मिलित की गई परियोजनाओं (मंत्रालय द्वारा दिसंबर 2025 में घोषित) तथा नई रेल लाइनों के वर्गीकरण या रेल लाइनों के दोहरीकरण संबंधी परियोजनाओं या स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत संबंधित आवंटन का ब्यौरा क्या है; और

(ग) नडिकुडी-श्रीकालहस्ती नई रेल लाइन के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है तथा कुल स्वीकृत लागत, अब तक किए गए वास्तविक व्यय, बिछाई जा चुकी रेल पटरियों की लंबाई और शत-प्रतिशत कार्य पूरा करने की संशोधित लक्षित तिथि क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 22.07.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 45 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग):

आंध्र प्रदेश:

हाल के वर्षों में, बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-2014	₹886 करोड़ प्रतिवर्ष
2026-2027	₹10,134 करोड़ (11 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-26 के दौरान, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	363 किलोमीटर	73 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-26	1,759 किलोमीटर	147 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना)

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, आंध्र प्रदेश में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 4,768 किलोमीटर लंबाई तथा ₹77,855 करोड़ लागत वाली 42 परियोजनाओं (12 नई लाइन और 30 दोहरीकरण) को स्वीकृति दे दी गई है, जिनमें से मार्च 2026 तक 1,465 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और ₹27,851 करोड़ का व्यय किया गया है। कार्य की स्थिति का सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर)	मार्च 2026 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	12	1595	235	7,074
बहुपथन/दोहरीकरण	30	3174	1230	20,077
कुल	42	4,768	1,465	27,851

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	नंदयाल-यर्रगुंटला नई लाइन (126 किमी)	1,050
2	जग्गय्यापेटा-जनपहाड़ नई लाइन (48 किमी)	737
3	ओबुलावारिपल्लि-कृष्णापट्टणम नई लाइन (113 किमी)	2,300
4	विजयनगरम-कोत्तवलसा तीसरी लाइन (35 किमी)	285
5	रायचूर-गुंतकल दोहरीकरण (81 किमी)	388
6	गुंटूर-तेनाली दोहरीकरण (24 किमी)	205
7	गुंतकल-कल्लूरु दोहरीकरण (41 किमी)	410
8	मोटूमारी- शिरोपरि संरेखण सहित बाईपास (2 किमी)	39
9	येलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किमी)	1,104
10	विजयवाड़ा-नरसापुर, गुडिवाडा-मचिलीपट्टणम तथा भीमवरम-निडदवोलू का विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण (221 किमी)	4,688

11	गूटी-धर्मवरम दोहरीकरण (90 किमी)	1,800
12	पेनुकोंडा-धर्मवरम दोहरीकरण (42 किमी)	308

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ प्रमुख परियोजनाएं, जिनका कार्य शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	कोटिपल्ली-नरसापुर नई लाइन (57 किमी)	2,120
2	नडिकुडि-श्रीकालहस्ती नई लाइन (309 किमी)	3,407
3	रायदुर्ग-तुमकुर नई लाइन (207 किमी)	4,565
4	मलुगूरु-पालसमुद्रम नई लाइन (18 किमी)	342
5	मलकानगिरी-भद्राचलम-पांडुरंगपुरम नई लाइन (174 किमी)	3,592
6	एरुपालेम-अमरावती-नंबुरु नई लाइन (57 किमी)	2,047
7	विजयनगरम-टिटलागढ़ तीसरी लाइन (265 किमी)	6,996
8	निर्गुण्डि-बारंग, खोरधा रोड-विजयनगरम तीसरी लाइन (385 किमी)	4,963
9	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 किमी)	3,580
10	काजीपेट-विजयवाड़ा तीसरी लाइन (220 किमी)	3,315
11	विजयवाड़ा-गूडूर तीसरी लाइन (287 किमी)	6,509
12	गुंतकल-गुंटूर दोहरीकरण (401 किमी)	4,692
13	गुंटूर-बीबीनगर दोहरीकरण (239 किमी)	2,853
14	मुदखेड़-मेडचल, महबूबनगर-डोन दोहरीकरण (417 किमी)	4,686
15	मोटूमारी-विष्णुपुरम दोहरीकरण (89 किमी)	1,596

16	गूडूर-रेणिगुंटा तीसरी लाइन (83 किमी)	877
17	तिरुपति-काटपाडी दोहरीकरण (104 किमी)	1,216
18	राजमंड्री-विशाखपट्टणम तीसरी तथा चौथी लाइन (198 किमी)	9,889
19	गुंतकल-वाडी तीसरी तथा चौथी लाइन (230 किमी)	4,758

<u>नडिकुडि-श्रीकालहस्ती (309 किमी) नई लाइन परियोजना</u>

- **नडिकुडि-श्रीकालहस्ती (309 किमी) नई लाइन परियोजना जिसकी लागत ₹3,407 करोड़ है, का कार्य आंध्र प्रदेश सरकार के साथ लागत भागीदारी आधार पर स्वीकृत किया गया है जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराई जानी है। परियोजना पर ₹2,384 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।**
- **परियोजना के लिए अपेक्षित कुल 2258 हेक्टेयर भूमि में से, 1330 हेक्टेयर भूमि राज्य सरकार द्वारा अधिगृहीत की जा चुकी है तथा 929 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कार्य शेष है। उपलब्ध भूमि पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।**
- **परियोजना की स्थिति:**

खंड	स्थिति
न्यू पिडुगुराल्ला से सावल्यपुरम (46 किमी)	कमीशन कर दिया गया है।
गुंडलकम्मा से कनिगिरि (79 किमी)	कमीशन कर दिया गया है।
कनिगिरि से वेंकटगिरी (184 किमी)	राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**

- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- किसी परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने तथा उनका उन्नयन करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध रूप से कार्यान्वयन करना शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए, मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार/स्टेशन भवन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्मों का विस्तार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि।

इस योजना में दीर्घावधि में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों तथा रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1,340 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से आंध्र प्रदेश में 74 स्टेशन स्थित हैं। आंध्र प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
आंध्र प्रदेश	74	आदोनि, अनकापल्ली, अनंतपुर, अनपर्ति, अरकु, बापट्ला, भीमवरम टाउन, बोब्बिली जंक्शन, चीपुरुपल्ली, चीराला, चित्तूर, कडपा, कुंबुम, धर्मवरम, धोने, दोनाकोंडा, दुव्वाड़ा, एलमंचिली, एलूरु, गिद्दलूर, गूटी, गुडिवाडा, गूडुर, गुनदला, गुंटूर, हिंदूपुर, इच्छापुरम, कदिरी, काकीनाडा टाउन जंक्शन, कोत्तवलसा जंक्शन, कुप्पम, कर्नूल सिटी, माचेर्ला, मछलीपट्टणम, मदनपल्ली रोड, मंगलागिरी, मंत्रालयम रोड, मारकापुर रोड, नडिकुडि जंक्शन, नंद्याल जंक्शन, नरसापुर, नरसरावपेट, नौपाड़ा जंक्शन, नेल्लोर, निडदवोलु जंक्शन, ओंगोल, पकाला जंक्शन, पलासा, पार्वतीपुरम, पिडुगुराल्ला, पिलर, पिठापुरम, राजमंड्री, राजमपेट, रायनपाडु, रेणिगुंटा, रेपल्ले, सामलकोट, सत्तेनापल्ले, सत्य साई प्रशांति निलयन, सिंहाचलम, सिंगरायकोंडा, श्री कालहस्ती, श्रीकाकुलम रोड, सूल्लूरपेटा, ताडेपल्लीगुडेम, ताडिपत्री, तेनाली, तिरुपति, तुनि, विजयवाडा, विनुकोंडा, विशाखपट्टणम, विजयनगरम जंक्शन

<u>वे स्टेशन जहां कार्य पूर्ण कर लिया गया है:</u>

आंध्र प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। आंध्र प्रदेश में उन स्टेशनों जहां कार्य पूर्ण कर लिया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
आंध्र प्रदेश	08	कंबम, एलूरु, काकिनाडा टाउन जंक्शन, मंगलगिरि, निडदवोलु जंक्शन, रायनपाडु, सूल्लूरपेटा, तुनि

अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- तिरुपति स्टेशन: दक्षिण दिशा में नए स्टेशन भवन (भूतल+3+बेसमेंट), उत्तर दिशा में नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, दो एयर कॉनकोर्स, भूमिगत तथा शिरोपरि पानी की टंकियों, मलजल उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन, ऊपरी पैदल पुल तक रैंप, लिफ्ट तथा एस्केलेटर के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन, संयोजक पुल, पहुंच मार्ग तथा प्लेटफार्म शेल्टरों के फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।
- नेल्लूर स्टेशन: पश्चिम तथा पूर्व दिशा में स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य तथा सबवे के विस्तार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन, मलजल उपचार संयंत्र, प्लेटफार्म सतह में सुधार, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट तथा एस्केलेटर के फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।
- कर्नूलु सिटी स्टेशन: प्लेटफार्म विस्तार, प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2/3 पर प्लेटफार्म सतह एवं शेल्टर में सुधार तथा सशुल्क शौचालय में सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रवेश/निकास गेट, बुकिंग कार्यालय, परिचलन क्षेत्र पार्किंग में सुधार तथा 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- कुप्पम स्टेशन: प्लेटफार्म शेल्टर, शौचालय तथा पार्किंग के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहूंच मार्ग, लिफ्ट, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं तथा 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- हिंदूपुर स्टेशन: प्रतीक्षालय तथा रेलवे के मुख्य सेवा भवन में सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रवेश प्रांगण, द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर,

पार्किंग, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, लिफ्ट तथा 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों को स्वीकृत तथा निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति के कार्य हैं, जिनमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ जैसे पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल क्लियरेंस, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृतियां आदि अपेक्षित होती हैं। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं, अतः ब्राउनफील्ड से संबंधित चुनौतियों जैसे जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण (जिनमें पानी/सीवेज की लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, पावर/सिगनल केबल आदि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना गाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली की लाइन के निकट किए जा रहे कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि का सामना किया जा रहा है तथा ये कारक कार्य की प्रगति व समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। निधि आबंटन और व्यय का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 के अन्तर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। आंध्र प्रदेश पांच क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व तट रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण तट रेलवे तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए विगत तीन वित्त वर्षों तथा चालू वित्त वर्ष हेतु ₹12,774 करोड़ का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) ₹10,641 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।

*****